RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-09 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 07 मार्च से 13 मार्च 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

पंजाब विजिलेंस के दफ्तर पर होना चाहिए आप का झंडा, कांग्रेस नेता ने असेंबली में ली चुटकी तो आपे से बाहर हो गए CM भगवंत मान

सीएम भगवंत मान को बाजवा का स्टेटमेंट नागवार गुजरा तो वो तुरंत अपनी चेयर से खड़े हो गए और बाजवा से बोले कि बेसिरपैर के आरोप न लगाए। उसके बाद दोनों में जमकर तूतू मैंमैं हुई।

पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेता प्रताप सिंह बाजवा सोमवार को पूरे फार्म में थे। उन्होंने विधानसभा में आप सरकार पर चुटकी लेते हुए कहा कि सरकार को पंजाब विजिलेंस के दफ्तर पर आम आदमी पार्टी का झंडा लगा देना चाहिए। सीएम भगवंत मान को बाजवा का ये स्टेटमेंट नागवार गुजरा तो वो तुरंत अपनी चेयर से खड़े हो गए और बाजवा से बोले कि बेसिरपैर के आरोप न लगाए। उसके बाद दोनों में जमकर तूतू मैंमैं हुई।

दरअसल प्रताप सिंह बाजवा आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप बीजेपी पर लगाया था। उनका कहना था कि सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसे महकमों के दफ्तरों पर बीजेपी का झंडा लगा देना चाहिए। बाजवा ने जब ये बात कही तब भगवंत मान विधानसभा में मौजूद थे। वो अपनी कुर्सी से खड़े हो गए और बाजवा की बात पर आपत्ति जताई।

भगवंत मान का कहना था कि कांग्रेस नेता को इस तरह की बात नहीं कहनी चाहिए। जो भी दोषी होगा सरकार उसके खिलाफ एक्शन लेगी। बाजवा आक्रामक मूड में थे। उन्होंने आप के पूर्व मंत्री फौजा सिंह और बटिंडा रूरल के एमएलए अमित रत्तन का जिक्र कर कहा कि सरकार उनके खिलाफ कोई सख्त कदम उठाने से क्यों हिचक रही है। आखिर सरकार को ऐसा क्या डर है जो अपने नेताओं पर एक्शन नहीं ले पा रही है।

अमेरिका के बाद भारत भी स्पाई बलून को लेकर सख्त, सेना को प्रोटोकॉल जारी कर दी कार्रवाई की छूट

पिछले महीने संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक विशाल चीनी गुब्बारे को मार गिराया था, जिस पर उसने जासूसी करने का आरोप लगाया था।

भारतीय सेना ने गुब्बारे या आकाश में अन्य अज्ञात वस्तुओं जैसे नए खतरों से निपटने के लिए बुनियादी प्रोटोकॉल का एक सेट तैयार किया है सेना के शीर्ष अधिकारियों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि एक साल पहले पहले सामरिक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर एक स्पाई बैलून दिखा था, जिसके बाद सेना ने यह फैसला किया।

यह प्रोटोकॉल किसी अज्ञात धीमी गति से चलने वाली हवाई वस्तु के देखे जाने की स्थिति में कार्रवाई के क्रम का विवरण देते हैं। इसमें एक उपयुक्त मंच और हथियार प्रणाली का उपयोग करके पता लगाना, सकारात्मक पहचान, सत्यापन और लक्ष्यीकरण शामिल है। इसके बाद लक्ष्य की विस्तृत फोटोग्राफी, उस पर एक व्यापक रिपोर्ट और अवशेषों का विश्लेषण करना शामिल है।

अधिकारियों ने कहा कि सैन्य कमानों में से एक द्वारा तैयार किए जा रहे त्रि-सेवा प्रोटोकॉल का सेट अपग्रेड के लिए खुला होगा। उन्होंने कहा कि पहले ही प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों पर कई राडार अपग्रेड किए जा रहे हैं। पिछले महीने संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक विशाल चीनी गुब्बारे को मार गिराया था, जिस पर उसने अपने महत्वपूर्ण सैन्य स्थलों पर जासूसी करने का आरोप लगाया था। F-22 लड़ाकू जेट से दागी गई AIM-9X सिडविंडर मिसाइल से अमेरिका ने गुब्बारे को मार गिराया था।

राहुल गांधी का BJP-RSS पर फिर हमला, लंदन में बोले- घृणा और हिंसा की विचारधारा इनकी प्रकृति में है

ब्रिटेन में अपनी एक हफ्ते की यात्रा के दौरान राहुल गांधी फिलहाल लंदन में हैं। यहां उन्होंने रविवार को 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' द्वारा भारतवंशियों (प्रवासी भारतीयों) के साथ आयोजित बातचीत के दौरान कहा कि वह अपनी आलोचनाओं से नहीं डरते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को लंदन में एक बार फिर भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि देश में लोगों की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा कि घृणा और हिंसा इनकी प्रकृति में है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' ने पूरे देश को दिखाया की असल भारत क्या है। उन्होंने कहा, भारत के मूल्य क्या है? हमारा धर्म हमें क्या सिखाता है? हमारी अलग-अलग भाषाएं क्या कहती हैं? हमारी अलग-अलग संस्कृतियां हमें बताती हैं कि हम अलग-अलग विचारों वाला एक राष्ट्र हैं। हम में बिना किसी घृणा, क्रोध और अपमान के सौहार्दपूर्ण तरीके से एकसाथ रहने की क्षमता है और जब हम ऐसा करते हैं, तभी हम सफल हैं। यात्रा का यही संदेश था। उन्होंने कहा, दूसरी ओर, घृणा और हिंसा की विचारधारा है, ऐसी अपमानजनक विचारधारा है जो दूसरों पर उनके विचारों के कारण हमले करती है और आपने महसूस किया होगा कि यह भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) की प्रकृति में है।

अब RSS करेगा 'गर्भ संस्कार' पर काम ?

कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने हर साल कम से कम 1,000 गर्भवती माताओं में गर्भ संस्कार को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (त्र्स्स) अब गर्भ संस्कार का अभ्यास करवाएगा। आरएसएस की महिला शाखा संवर्धनी न्यास की राष्ट्रीय आयोजन सचिव माधुरी मराठे ने कहा कि बच्चों के पालन-पोषण के लिए 'गर्भ संस्कार' का अभ्यास महत्वपूर्ण है, जो देशभक्त और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक होगा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (छ्ह) में रविवार को गर्भ संस्कार पर कार्यशाला आयोजित की गई और इसमें एम्स दिल्ली सहित देश भर के डॉक्टरों और आयुर्वेद चिकित्सकों ने भाग लिया।

माधुरी मराठे ने कहा, 1,000 दिन, या गर्भावस्था के नौ महीने और बच्चे के जन्म के दो साल बाद तक गर्भ संस्कार का अभ्यास करके, हम आने वाली पीढ़ियों को सुधार सकते हैं जो देशभक्त होंगी और महिलाओं का सम्मान करेंगी। यह जीजा माता (मराठा शासक शिवाजी की मां) से प्रेरित था, जिन्होंने गर्भ संस्कार का अभ्यास किया, और इसका परिणाम वीर शिवाजी के रूप में दिखाई दिया।

चिंताजनक मोटापा

खानपान की बदलती आदतों की वजह से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को लेकर समय-समय पर अध्ययन आते और चिंता जताई जाती रहती है।

मगर सच्चाई यह है कि इस दिशा में गंभीरता से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। भारत में डिब्बाबंद और तुरंता आहार खाने की आदतों के चलते बच्चों में बढ़ते मोटापे को लेकर आई ताजा रपट में कहा गया है कि अगर खानपान की यही आदतें बनी रहीं, तो अगले बारह सालों में मोटापा बढ़ने की दर लड़कों में बारह फीसद और लड़कियों में सात फीसद तक पहुंच सकती है।

इसका देश के सकल घरेलू उत्पाद पर 1.8 फीसद तक प्रभाव पड़ेगा। ऐसे देशों में कभी आर्थिक और सामाजिक खुशहाली का वातावरण नहीं बन सकता, जहां के नागरिक बीमारियों से घिरे हों और वहां की सरकारों को स्वास्थ्य के मद में अधिक खर्च करना पड़ता हो। इस दृष्टि से भारत में बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

इस समस्या की बड़ी वजह कारखाने में बने डिब्बाबंद और तुरंता आहार बताए जा रहे हैं, इसलिए पहली नजर में सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि इस तरह के खाद्य के चलन और उनके प्रचार-प्रसार पर नियंत्रण करें। मगर यह केवल सरकारों के प्रयास से संभव नहीं है। नागरिक सहभागिता भी जरूरी है।

अब बड़े शहरों तो क्या, छोटे कस्बों और गांवों तक में कारखानों में तैयार तुरंता आहार और पेय आसानी से उपलब्ध हैं। बच्चे स्वाभाविक रूप से उनके प्रति आकर्षित होते हैं। माता-पिता भी लाड़-प्यार या नासमझी में बच्चों को ऐसे खाद्य देने से परहेज नहीं करते। अब तो कई खाद्य इस तरह बच्चों के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं कि माता-पिता ने भी स्वीकार कर लिया है कि हल्की-फुल्की भूख में तुरंता आहार ही विकल्प हैं।

जबसे बहुत सारी कंपनियां घर-घर सामान और खाना पहुंचाने के धंधे से जुड़ गई हैं, तबसे डिब्बाबंद खाद्य का कारोबार लगातार ऊपर की तरफ चढ़ रहा है। निस्संदेह इससे सरकारों को राजस्व की कमाई बढ़ रही है। मगर इन खाद्य पदार्थों में किस तरह के हानिकारक पदार्थ शामिल हैं, उनकी जांच का अभी तक कोई पुख्ता तंत्र नहीं विकसित हो सका है।

खाद्य अपसंस्करण नियंत्रण विभाग जरूर कभी-कभार शिकायत मिलने पर उनकी गुणवत्ता जांचने का प्रयास करता है, मगर यह नियमित प्रक्रिया नहीं है। इसी ढिलाई का नतीजा है कि स्थानीय स्तर पर भी बहुत सारे तुरंता आहार बनाने वाले कारखाने खुलते और कारोबार करते देखे जाते हैं। जबकि तुरंता आहार के कारोबार में शामिल नामी बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक के उत्पाद की गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं।

यह ठीक है कि बच्चों की खानपान की आदतें विकसित करने में माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, मगर जब भ्रामक विज्ञापनों और धुआंधार प्रचार-प्रसार के जरिए उपभोक्ता के दिमाग पर हमला कर यह धारणा बनाने में कामयाबी हासिल कर ली गई हो कि तुरंता और डिब्बाबंद आहार बच्चों की सेहत के लिए जरूरी हैं, तो फिर कंपनियों की इस धोखाधड़ी पर नकेल कसने की जिम्मेदारी आखिरकार सरकारों पर आ जाती है।

हर साल अलग-अलग अध्ययनों में बताया जाता है कि किन-किन खाद्य पदार्थों का सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, फिर भी प्रशासन उनके खिलाफ कोई कड़े कदम उठाता नजर नहीं आता। फिर, जब किसी चीज का बुरा असर एक बड़ी आबादी की सेहत पर पड़ रहा है, तो सरकार हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती।

संपादक
गोपाल गावंडे

भूकंप से बचाव की तैयारी

भू-वैज्ञानिकों के मुताबिक धरती के अंदर दिनोंदिन हलचल बढ़ रही है।

पिछले दो वर्षों में दो दर्जन से ज्यादा भूकंप के छोटे झटके महसूस किए गए। लोगों में दहशत होना लाजमी है, बावजूद इसके भूकंप के प्रति लोगों में वैसी सजगता और तैयारी नहीं है।

नीदरलैंड के सर्वेक्षणकर्ता हूगरबीट्स ने तुर्किये और सीरिया के बारे में भूकंप को लेकर जो भविष्यवाणी की थी, उसी ने भारत के बारे में भी भविष्यवाणी की है। ये दुनिया के पहले शोधकर्ता हैं जो भूकंप की भविष्यवाणी का दावा कर रहे हैं। हालांकि दुनिया के वैज्ञानिकों का कहना है कि उनके दावों के पीछे कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

गौरतलब है कि हूगरबीट्स जो खुद को भूकंपीय शोधकर्ता बताते हैं, सौर प्रणाली भूमिति सूचकांक के सहारे सटीक भविष्यवाणी करने का दावा करते हैं। तुर्किये और सीरिया के भूकंप को लेकर उनका दावा सच बताया जा रहा है। मगर सवाल है कि क्या भारत के बारे में जो भूकंप आने की भविष्यवाणी उन्होंने की है, उसे तुर्किये में आए भूकंप की भविष्यवाणी से जोड़ कर देखना चाहिए?

भूकंप पर शोध करने वाले यूनाइटेड स्टेट्स जियोलाजिकल सर्वे का कहना है कि भूकंप की भविष्यवाणी करने का कोई विश्वसनीय तरीका नहीं है। बावजूद इसके अगर भविष्यवाणी कुछ हद तक भी सही साबित होती है तो हूगरबीट्स की भविष्यवाणी को पूरी तरह खारिज नहीं किया जाना चाहिए। हमें यह देखना है कि भविष्यवाणी सच हो या न हो, लेकिन जिस खतरनाक क्षेत्र में दिल्ली और दूसरे कई इलाके आते हैं, उस नजरिए से भी भूकंप से बचने की बेहतर तैयारी पूरी मुस्तैदी के साथ करने की जरूरत है। इससे भूकंप के प्रति हमारी लापरवाही खत्म होगी और खतरनाक पैमाने पर भूकंप आने पर भी काफी जान-माल की रक्षा हो पाएगी।

वैज्ञानिकों के मुताबिक पूरा भारतीय उपमहाद्वीप धीरे-धीरे भूकंप वाले खतरनाक क्षेत्र में आता जा रहा है। कब उच्च स्केल का भूकंप आ जाए, कहना मुश्किल है। इसलिए भू-वैज्ञानिक भूकंप से बचने के लिए आम आदमी में सजगता बढ़ाने पर जोर देते रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली, दिल्ली के आसपास और देश का पश्चिम-उत्तर क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से अतिसंवेनशील क्षेत्र है। इसलिए हर वक्त, हर उम्र और हर वर्ग के लोगों में सजगता और संवेदनशीलता की जरूरत है। महज ज्यादा तादाद में वेधशालाएं स्थापित करने से उच्च स्तर के भूकंपों से जान माल से पूरी तरह बचाव करना नामुमकिन है।

भू-वैज्ञानिकों के मुताबिक धरती के अंदर दिनोंदिन हलचल बढ़ रही है। पिछले दो सालों में दो दर्जन से ज्यादा भूकंप के छोटे झटके महसूस किए गए। लोगों में दहशत होना लाजमी है, बावजूद इसके भूकंप के प्रति लोगों में वैसी सजगता और तैयारी नहीं है। आमतौर पर ज्वालामुखी या धरती के पपड़ी के भीतर गहरे आंदोलन होने या टेक्टोनिक प्लेटों के विस्थापन या आपस में टकराने की वजह से उच्च स्तर के भूकंप आते हैं। भारत-नेपाल में धरती के नीचे ये क्रियाएं तेज गति से चलती रहती हैं। यही वजह है कि साल में दर्जनों भूकंप की घटनाएं दर्ज होने लगी हैं।

दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय इलाकों में भारत, तुर्किये, उत्तर अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी देश शामिल हैं। दिल्ली में छोटे स्तर के भूकंप आते ही रहते हैं, जिसकी वजह भारतीय प्लेटों में कंपन है। मगर उच्च रिक्टल स्केल का भूकंप भी आ सकता है, यह कब आएगा यह अनुमान लगाना मुश्किल है। पर जिस क्षेत्र में दिल्ली आती है और जिस प्लेट के ऊपर बसी है, इससे कभी भी कोई बड़ा भूकंप का झटका आ सकता है।

वहीं हम यह नहीं कह सकते हैं कि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य भूकंप के नजरिए से ज्यादा खतरनाक नहीं हैं। भूकंप इसलिए ज्यादा विनाशकारी साबित होता है कि ज्यादातर भवन अवैज्ञानिक ढंग से बनाए जाते हैं। जो मानक भूकंपरोधी भवन बनाने के तय किए गए हैं उसका पालन न निजी तौर पर घर बनाते वक्त आम लोग करते हैं और न भवन निर्माता। देखा गया है कि बहुत कम तीव्रता के भूकंप आने पर भी इमारतें हिलने लगती हैं और उनमें दरारें पड़ जाती हैं। भारत के भूकंप का उच्च जोखिम वाला देश होने की वजह भवन या घर बनाने में भूकंपरोधी नियमों का पालन न करना तो है ही, भूकंप से बचाव की सजगता की बेहद कमी भी है।

भारत दुनिया की सबसे घनी और बड़ी आबादी वाला देश होने की वजह से उच्च पैमाने के भूकंप से जान-माल का नुकसान होने की संभावना ज्यादा रहती है। इसे देखते हुए भारत सरकार ने 2026 तक और सौ भूकंप वेधशाला तैयार करने का निर्णय किया है। इसी क्रम में अब तक पैंतीस वेधशालाओं को रोस्टर से जोड़ दिया गया है। इससे भूकंप के स्तर की बेहतर जानकारी मिलने में सहूलियत हो जाएगी।

हिमालयी क्षेत्र भूकंप का उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है। यहां उच्च पैमाने का भूकंप आने की हमेशा प्रबल संभावना बनी रहती है। भूकंप का कोई पूर्वानुमान नहीं लगया जा सकता, इसलिए चिंता और बढ़ जाती है। ऐसे में इससे डरने के बजाय बचाव की बेहतर तैयारी होनी चाहिए। आजादी के पहले हिमालयी क्षेत्र में 1897 में शिलांग, 1905 में कांगड़ा, 1934 में बिहार-नेपाल और असम में बड़ा भूकंप आया, जिसमें हजारों लोग मारे गए और लाखों घायल हुए थे। फिर चालीस साल तक इस क्षेत्र में कोई बड़ा भूकंप नहीं आया।

1991 में उत्तरकाशी, 1999 में चमोली और 1915 में नेपाल में उच्च तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें हजारों लोगों की मौत हो गई थी। इसे देखते हुए भूकंप के प्रति सजगता और इससे बचने की पुख्ता तैयारी की जरूरत है। भूकंप आने पर जान-माल का नुकसान कम से कम हो, इसके लिए जरूरी है कि चौबीस घंटे भूकंप के प्रति सजग रहें और दूसरों को भी सजग करते रहें। भूकंप के पहले, भूकंप के वक्त और भूकंप के बाद लोगों में इससे निपटने की रणनीति कैसी हो, इस बात की सजगता जरूरी है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर भूकंप के प्रति जन सामान्य में बेहतर तैयारी और सजगता हो तो भूकंप से नुकसान नाममात्र का ही होगा। इसलिए वाडिया भू-विज्ञान संस्थान हिमालय क्षेत्र के स्कूलों और गांवों में जाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य करता है। इससे इस क्षेत्र के लोगों में भूकंप के प्रति सजगता और संवेदनशीलता आई है। गौरतलब है हिमालय क्षेत्र में साठ वेधशालाएं कार्य कर रही हैं, जो भूकंप की हर गतिविधि की पल-पल की जानकारी देती रहती हैं। मगर सोशल मीडिया, टीवी चैनलों और अखबारों के जरिए आम लोगों के जान-माल को भूकंप से बचने के लिए सतर्क और सजग किया जा सकता है।

भूकंप से जान-माल से बचाव न हो पाने की वजह यह भी है कि भूकंप आने का वक्त और अंतराल के बारे में वैज्ञानिक कुछ बता पाने की हालात में नहीं हैं। भूकंप आता है, तो लोग मनाते हैं कि वे बचे रहें, लेकिन कुछ साल गुजरता है और फिर भूल जाते हैं कि भूकंप फिर आ सकता है और उससे उनकी जान जा सकती है या गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। इसलिए मानसिक और आर्थिक दोनों तरह से भूकंप से बचने के लिए तैयार रहना जरूरी है।

यह सोच कर हम नहीं बच सकते हैं कि ईश्वर जैसा चाहेगा वैसा ही होगा। और यह सोच बनाना भी ठीक नहीं कि इंसान के हाथ में कुछ भी नहीं है। यह सब खुद को तसल्ली देने के लिए तो हम कर सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सजगता और छद्म अभ्यास के जरिए बेहतर बचाव का उपाय हो सकता है।

चोरी कर भाग रहा था पकड़ा गया

इंदौर। दुकान से चोरी कर भाग रहे आरोपी को मौके पर ही पीछा कर पकड़ लिया गया। घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र में आकाश गेहलोद पटेल नगर, गोमटगिरि की दुकान पर हुई। पकड़े गए आरोपी का नाम करण है। फरियादी ने बताया कि आरोपी ने उसकी दुकान के काउंटर पर रखा तेल का पैकेट चुरा लिया था। उसे मैंने देख लिया और आवाज देकर रुकने को बोला तो वह भागने लगा। इस पर उसे पीछा कर पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। चोरी की एक घटना थाना विजय नगर क्षेत्र में खाली प्लॉट पर हुई। फरियादी अभय पांडे निवासी ग्राम सिगौनी (सतना) ने पुलिस को बताया कि कल विनवर्ड ऑफिस बिल्ड़िग के सामने खाली प्लॉट से एक आरोपी संतोष जगन ने एलइडी लाइट, पंखे की मोटर और ड्रिल मोटर चुरा ली और भाग रहा था। उसे मैंने सि?यूरिटी सुपरवायजर दीपक शर्मा के साथ दौडकर पकड़ लिया। जब उसे थाने लेकर आने लगे तभी आरोपी हाथ छुड़ाकर भाग गया।

होली का चंदा नहीं दिया तो पीटा

इंदौर। होली का चंदा देने से मना करने पर आरोपी ने एक स्कूल संचालक को धमकाया और मारपीट कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक घटना दीपक पिता नाथूलाल जोशी (42) निवासी नगीन नगर के साथ कल हुई। उनकी रिपोर्ट पर आरोपी राहुल चौहान नगीन नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एरोड्रम थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि फरियादी डिवाइन स्कूल का संचालक और प्राचार्य है। आरोपी उनके पास पहुंचा और होली के लिए जबर्दस्ती 250 रुपए का चंदा मांगने लगा। जब उसे मना किया तो धमकाने लगा और गालियां दी। गालियां देने पर विरोध किया तो उसने मारपीट कर दी। शोर मचाया तो आरोपी वहां से धमकाते हुए भाग गया।

रिक्शा चालक को पीटा

इंदौर। तिलक नगर इलाके में दो आरोपियों ने रिक्शा चालक को रोका और जमकर मारपीट की। पुलिस के मुताबिक फरियादी राजा इ्क्षसह बैस निवासी संविद नगर की रिपोर्ट पर आरोपी उमेश और उसके भांजे विनय के खिलाफ केस दर्ज किया गया। घटना आशियाना गर्ल्स होस्टल वाली गली संविद नगर में कल हुई। फरियादी ने बताया कि वह अपने घर की गली में आया तभी आरोपियों ने रोक कर गालियां दी। गाली देने से मना किया तो मेरे सिर पर ईंट मार दी।

ट्रक ने ली बाइक सवार की जान

इंदौर। ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार वृद्ध को टक्कर मारी जिसमें उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया। मृतक का नाम अजय सोलंकी (58)निवासी जूनी इंदौर है। पुलिस के अनुसार घटना नौलखा चौराहे पर दोपहर की है। दामाद विजय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि इसका ससुर अजय अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक क्रमांक एमपी 09 एचएच 0981 टक्कर मार दी जिसमें उनके सिर मुंह और अन्य स्थानों पर गंभीर चोट आई तत्काल मैंने अपने दोस्त अनिल मक्कड़ की मदद से ससुर को लोडिंग रिक्शा से बड़े अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत्यु घोषित किया। भंवरकुआं पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कार की टक्कर से घायल

इंदौर। बापट चौराहे पर कार क्रमांक एमपी 09 एलयू 6584 के चालक ने तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें सवार रवि पिता सतीश तिवारी और अनिल पिता विजय शंकर चौबे दोनों निवासी महालक्ष्मी नगर घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पिस्टल के साथ पकड़ाए बदमाश

इंदौर । क्राइम ब्रांच ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके पास से पिस्टल और अवैध भांग बरामद की है दोनों बदमाश परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के हैं।

क्राइम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सूचना पर परदेशीपुरा क्षेत्र में अवैध रूप से भांग की तस्करी कर रहे राजेश ठाकुर को पकड़ा और उसके पास से अवैध भांग बरामद की है इसके खिलाफ परदेसी पुरा और सराफा थाने में 15 से अधिक मामले दर्ज है। इसी प्रकार क्राइम ब्रांच ने परदेशीपुरा क्षेत्र में अपराध करने की नियत से घूम रहे सुनील चोकसे को गिरफ्तार कर उसके पास से पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। दोनों आरोपियों को परदेशीपुरा पुलिस के हवाले किया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

दहेज के लिए सताया, घर से निकाला

इंदौर। एक महिला को उसके पति ने ससुराल वालों ने दहेज की मांग करते हुए प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। द्वारकापुरी पुलिस ने बताया कि ममता शिंदे, महावर नगर की रिपोर्ट पर जीतू शिंदे, सतीश शिंदे और सालिगराम शिंदे के खिलाफ दहेज का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शादी होने के बाद से ही पति, देवर, सास, ससुर मारपीट करते थे। मायके से पचास हजार रुपए लाने की मांग कर रहे थे। नहीं लाने पर सताया और घर से निकाल दिया।

फैक्ट्री में लगी भीषण आग

डेढ़ लाख लीटर पानी से पाया काबू

रात में लगी आग को सुबह तक बुझाने का काम चलता रहा

इंदौर। बीती रात सांवेर रोड स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाना शुरू किया, और सुबह तक करीब डेढ़ लाख लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया जा सका। आग में लाखों रुपए का माल जल गया।

फायर ब्रिगेड के अनुसार रात करीब साढ़े बजे सूचना मिली थी कि सांवेर रोड पर ई सेक्टर स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लग गई। इस पर तत्काल फायर फाइटर वाहनों के साथ मौके पर दमकलकर्मियों को रवाना किया गया। उनके यहां पहुंचने के पहले ही आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया, वहीं मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। उक्त फैक्ट्री आशीष पिता घनश्याम की है, जहां प्लास्टिक का सामान बनाने का काम होता है। दमकलकर्मियों ने आते ही चारों ओर से पानी की बौछार कर आग बुझाना शुरू किया, लेकिन प्लास्टिक, स्क्रेप और अन्य रॉ मटेरियल होने के चलते आग पर काबू पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

उधर, फायर ब्रिगेड के एसपी भी मौके पर पहुंचे और टीम को दिशा निर्देश दिए। फायरकर्मियों ने चारों ओर से पानी की बौछार शुरू की, तब कहीं जाकर आग बुझना शुरू हुई और सुबह लगभग छह बजे तक आग पर काबू पाया जा सका। इस आग में कच्चा में व तैयार माल सहित लाखों का माल जलकर राख हो गया। फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि यहां किन कारणों से आग लगी थी।

पिस्टल, भांग और वाहन चोरी के आरोपी पकड़ाए

इंदौर। पिस्टल, भांग और वाहन चोरी के आरोपियों को क्राइम ब्रांच पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों पर अब आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार वाहन चोर का नाम चंदन तिवारी है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उसे हिरासत में लिया गया। उससे चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद हुई है। इसी तरह नार्को हेल्पलाइन से मिली सूचना के आधार पर परदेशीपुरा क्षेत्र में राजेश ठाकुर को पकड़ा । वह भांग की तस्करी कर रहा था। उसके पास 2 किलो सूखी। भांग मिली है आरोपी राजेश पर परदेशीपुरा सराफा में प्रकरण दर्ज है। वहीं इसी क्षेत्र में आरोपी सुनील चोकसे को भी पकड़ा गया उसके पास एक पिस्टल मिली है। वह धमकाने के लिए पिस्टल लेकर घूम रहा था उस पर भी आधा दर्जन अपराध दर्ज है।

महिला से एक करोड़ की धोखाधड़ी

आरोपियों ने खुद का प्लाट बताकर बेच दिया, एग्रीमेंट भी कर लिया

इंदौर। एक महिला के साथ प्लाट का सौदा कर एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई। आरोपियों ने खुद का प्लाट बताकर सौदा कर दिया और एग्रीमेंट कर रुपए भी ले लिए। मामले में जांच के बाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने केस दर्ज किया है।

क्राइम ब्रांच ने मीनू मिश्रा निवासी कोटा (राजस्थान)की रिपोर्ट पर दिव्यानी अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, राधा अग्रवाल, किशन मार्ग राजगढ़ ब्यावरा के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि स्नेह नगर मेनरोड टॉवर के पास एक प्लाट का सौदा आरोपियों ने फरियादी से किया और एग्रीमेंट कराने के बाद एक करोड़ रुपए ले लिए। प्लाट खुद का बताया गया था। रजिस्ट्री कराने की बारी आई, तो यह कहकर टाल दिया कि जल्द ही हम करा देंगे, लेकिन बाद में खुलासा हुआ कि प्लाट के नाम पर पैसा हड़प लिया है। बताते हैं कि प्लाट आरोपियों के रिश्तेदार का है और इसी आधार पर उन्होंने किस्तों में एक करोड़ रुपया वसूल कर लिया। पुलिस कमिश्नर को शिकायत होने के बाद उन्होंने क्राइम ब्रांच को जांच सौंपी और उसके बाद कल धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। अब पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पति से सिर फोड़ दिया

इंदौर। एक महिला का उसके पति ने सिर फोड़ दिया। फरियादी नेहा यादव (34) निवासी पाटनीपुरा की शिकायत पर उसके पति दुष्यंत के खिलाफ एमआईजी पुलिस द्वारा केस दर्ज किया गया है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह खाना खाकर सो रही थी। इसी दौरान पति शराब के नशे में आया और उसे साथ में गाली- गलौज करने लगा। उसने कारण पूछा तो पति का कहना था कि तू सोएगी नहीं। उसने कारण पूछा तो कोई जवाब नहीं दिया। उसके साथ में मारपीट करना शुरू कर दिया। आरोपी ने संडासी उठाकर सिर पर मार दी। इससे उसके सिर में खून निकलने लगा। इसके बाद भी पति नहीं रूका और उसके साथ मारपीट करता रहा। उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर सास-सुसर वहां पर आए और उन्होंने उसे बचाया।

नाबालिग पर चाकू से हमला

इंदौर। तीन आरोपियों ने आपसी विवाद में एक नाबालिग पर चाकू से हमला कर दिया। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक घटना बांक ग्राम में सरकारी स्कूल के पास कल हुई। फरियादी रईस पिता आबिद नागोरी (17) निवासी राजकुमार नगर बांक की रिपोर्ट पर आरोपी रिजवान, जुनैद और फरू के खिलाफ केस दर्ज किया गया। रईस ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे रास्ते में रोका और बोले कि किसको गाली बक रहा था। मैंने कहा कि तुमको गाली नहीं दी, मैं तो दोस्त से फोन पर बात कर रहा था। इसी बात को लेकर तीनों ने मारपीट की। इसी दौरान एक आरोपी ने चाकू निकाला और वार कर दिया। चाकू हाथ में लगा। इसके बाद आरोपी भाग गए। पुलिस कार्रवाई कर रही है।

सिक्यूरिटी गार्ड ने जहर खाया, मौत

इंदौर। एक सिक्यूरिटी गार्ड ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। परिवार का आरोप है कि कर्जदार उन्हें परेशान कर रहे थे। इसी के चलते उसने आत्महत्या कर ली।

रोहित पिता ओमप्रकाश गेहलोद (34) निवासी गोड्क्षवद कॉलोनी बाणगंगा को कल इलाज के लिए बड़े अस्पताल लाया गया, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि वह सिक्यूरिटी गार्ड है। कल उनके पास में रोहित का फोन आया कि उसने जहर खा लिया है। इस पर वह लोग पोलोग्राउंड में जहां पर वह काम करता है वहां पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले आए। रास्ते में रोहित ने बताया कि बताया कि उसे कर्जदार परेशान कर रहे हैं। उनसे परेशान होकर ही उसने जहर खा लिया है। किस से और कितना कर्ज उसने लिया है। यह बात वह नहीं बता पाया है।

हलवाई ने भी ने लगाई फांसी

हलवाई का काम करने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। जानकारी के अनुसार मृतक का नाम प्रीतम पिता पूनमचंद निवासी नई जीवन की फेल परदेशीपुरा है। उसके भाई आकाश के अनुसार प्रीतम हलवाई के काम के साथ ही मंडी का भी काम करते हैं। शनिवार को उन्होंने अपनी पत्नी को भांजी के जन्मदिन की पार्टी में छोड़ दिया था फिर वह लौट आए थे। पत्नी घर आई तो पति फंदे पर लटका हुआ मिला। उसने खुदकुशी क्यों की है परिजन यह नहीं बता पा रहे हैं। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

रंग पंचमी क्यों मनाते हैं, जानें महत्व और शुभ मुहूर्त

रंग पंचमी का त्योहार होली का अंतिम पड़ाव माना जाता है। इस दिन देवी-देवताओं के साथ होली खेली जाती है। यह पर्व हर वर्ष होली के बाद शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह शुभ तिथि 12 मार्च दिन रविवार को है। शास्त्रों के अनुसार, देवी-देवताओं को समर्पित रंग पंचमी के इस पर्व को देव पंचमी भी कहा जाता है। इस दिन देवी-देवताओं को साथ होली खेलने पर वे सुख-समृद्धि और वैभव का आशीर्वाद देते हैं।

रंग पंचमी का महत्व

होली के पांचवे दिन मनाया जाने वाले इस त्योहार के दिन घरों में विशेष भोजन बनाया जाता है, जिसे पूरन पोली कहा जाता है। रंग पंचमी के महत्व को देखते हुए इसका एक और नाम प्रचलित है, जिसे श्रीपंचमी कहा जाता है। इस दिन देवताओं संग रंग गुलाल खेलने पर घर में श्री अर्थात धन समृद्धि की वृद्धि होती है। रंग पंचमी के दिन शरीर पर रंग नहीं लगाया जाता बल्कि रंग को हवा में उड़ाया जाता है और जब रंग हवा में उड़ता है, तब तमोगुण और रजोगुण का नाश होता है। इनके नाश होने के बाद सतोगुण में वृद्धि होती है।

इसलिए मनाया जाता है रंग पंचमी का त्योहार

प्राचीन काल में जब होली का पर्व कई दिनों तक मनाया जाता था, तब रंग पंचमी के दिन को होली का अंतिम दिन माना जाता था और इसके बाद कोई रंग नहीं खेलता था। वैसे तो इस पर्व को देश के कई जगहों पर मनाया जाता है लेकिन इस पर्व की धूम सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में देखने को मिलती है। इस दिन देवताओं को रंग लगाया जाता है और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस दिन भगवान कृष्ण ने राधा रानी के साथ होली खेली थी इसलिए इस दिन श्रीकृष्ण और राधा रानी को रंग अर्पित किया जाता है।

रंग पंचमी कथा

रंग पंचमी को लेकर एक अन्य पौराणिक कथा भी है। मान्यता है कि होलाष्टक के दिन भगवान शिव ने जब कामदेव को भस्म कर दिया था तब पूरे देवलोक में उदासी छा गई थी। सभी देवी-देवता चिंतित हो गए कि बिना कामदेव को किस तरह संसार को चलाया जाए। तब सभी ने भगवान शिव से प्रार्थना की। भगवान ने उनकी प्रार्थना को स्वीकार कर लिया और जीवित होने का आश्वासन दिया। ऐसा करने से पूरे देवलोक में देवतागण आनंदित हो गए थे और रंगोत्सव मनाने लगे। तभी से हर साल चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को रंग पंचमी का उत्सव मनाया जाता है।

इसलिए क्षमा करने वाला ही नहीं मांगने वाला भी श्रेष्ठ, मिलती हैं ये शक्तियां

क्षमा एक ऐसी चीज है, जिसे हर किसी व्यक्ति के लिए बोलना आसान नहीं होता है। लेकिन जब क्षमा मांगना आसान ना हो तो बिना सोचे समझे उस व्यक्ति के पास जाएं और सॉरी बोल दें। ऐसा करने से आपके मन का बोझ काफी हल्का हो जाएगा। इस लेख के माध्यम से जानते हैं क्षमा का क्या महत्व है

क्षमा सभी धर्मों का आधार है। क्षमा नफरत का निदान है। क्षमादान और क्षमा याचना दोनों ही महानता की निशानी हैं। क्षमा देने वाले की भांति क्षमा मांगने वाला भी श्रेष्ठ है। अपनी गलती पर क्षमा मांगने से उसके हृदय में विनयशीलता का जो भाव उपजता है, इससे उसका कद पहले की अपेक्षा और अधिक बढ़ जाता है। नीति में क्षमा का स्थान बहुत ऊंचा है। क्षमा भाव नीति का ही अंग है। यह अहंकार के त्याग का सूचक है। क्षमा के धरातल पर दो व्यक्तित्व उभरते हैं एक आप और एक सामने वाला।

अहं के वशीभूत होकर जब हम अपनी गलती नहीं स्वीकारते तो क्षमा के विषय में संकोच करते हैं। यह भी संभव है कि समय-समय पर ग्लानि की अनुभूति हृदय में हो, पर अहं इसको उजागर होने से रोक देता है। इस पीड़ा की प्रतीति हर मनुष्य को होती है। इसी प्रकार सामने वाला भी सोचता होगा कि हम क्षमा मांगें और वह क्षमा कर देगा। यह द्वंद्व निरंतर चलता है और इसका निराकरण क्षमा से हो जाता है। क्षमा में लेशमात्र भी कायरता नहीं है। सहिष्णुता, समता, सहनशीलता, मैत्रीभाव और उदारता जैसे सामर्थ्य युक्त गुण, पुरुषार्थहीन या धैर्यहीन लोगों में उत्पन्न नहीं हो सकते। क्षमा ही दुखों से मुक्ति का द्वार है। क्षमा मन की कुंठित गांठों को खोलती है और दया, सहिष्णुता, उदारता, संयम और संतोष को विकसित करती है। क्षमाभाव मानवता के लिए वरदान है।

विनयी, क्षमाशील और उदारमना साधक के पास सकल दैव अनुकूलताएं, ईश्वरीय अनुग्रह और आनंद जैसी दिव्यताएं स्वयं प्रकट होने लगती हैं। इसलिए अभिमान के त्याग का अभ्यास सतत होते रहना चाहिए। जब सहिष्णुता, क्षमा, दीनता और अभिमान का त्याग हमारे स्वभाव में आने लगता है तब हमारा प्रत्येक कर्म और विचार पवित्र होने लगता है। इससे स्वभाव में सरलता आने लगती है और जीवन पवित्रता की ओर अग्रसर होने लगता है। अनियंत्रित कामना, अक्षमता और अज्ञानता की उत्पत्ति है क्रोध। इसलिए विवेक के जरिए आत्मनियंत्रण और अंतर्मुखी अवस्था अर्जित की जा सकती है। क्रोध से क्रोध ही बढ़ता होता है।

क्षमा के स्वभाव को आवृत्त करने वाले क्रोध को पहले जीतना आवश्यक है। अक्रोध से क्रोध को जीता जाता है, क्योंकि क्रोध का अभाव ही क्षमा है। जिसके पास आत्मबल नहीं होता वह दूसरों को क्षमा नहीं कर सकता। समर्थ ही क्षमा करना जानता है। जो दुर्बल है वह कभी क्षमा नहीं कर सकता। क्रोध को धैर्य और विवेक से शांत करके, क्षमा के स्वधर्म को प्राप्त करना चाहिए। बड़ा व्यक्ति या बड़े हृदय वाला कौन कहलाता है? क्षमा आत्मा का आभूषण, आत्मा का नैसर्गिक गुण है। यह आत्मा का स्वभाव है। क्षमाशीलता साधना सिद्धि का राजपथ है, क्षमा धर्म की उद्घोषणा है।

क्यों हर 15 दिन में करवाना चाहिए फेशियल

महीने में एक बार फेशियल करवाना तो आम है, लेकिन आपको इसकी संख्या दो बार कर देनी चाहिए। ऐसा क्यों? ये आप इस लेख में जान सकती हैं

इस बात में तो कोई शक ही नहीं कि स्किन को हर थोड़े दिन में डीप क्लीन करने की जरूरत होती है। इसके साथ ही नरिशमेंट भी बेहद अहम होता है। इन दोनों ही जरूरतों को फेशियल काफी अच्छे से पूरा करता है। यही वजह है कि चाहे जिस भी स्किन एक्सपर्ट के पास चले जाएं, वो फेशियल करवाने के लिए जरूर कहता है। आमतौर पर महिलाएं महीनेभर में या दो महीने में एक बार इसे करवाती हैं। हालांकि, अगर महीने में दो बार यानी हर 15 दिन में एक बार फेशियल करवाया जाए, तो इससे स्किन को ज्यादा फायदा पहुंचता दिखेगा।

क्यों करवाएं 15 दिन में फेशियल?

15 दिन में एक बार फेशियल करवाने पर स्किन को क्लीन रखने में मदद मिलती है। ये पोर्स को साफ करने के साथ ही डेड स्किन को रिमूव करता है। साथ ही ब्लैकहेड्स से लेकर वाइटहेड्स को हटाता है। महीने में जब दो बार स्किन को डैमेज करने वाली इन चीजों को हटाया जाए, तो त्वचा ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनी रह पाती है।

क्या है एक्सपर्ट का कहना?

किसी को कितनी बार फेशियल करवाना चाहिए, इसे लेकर कोई सेट रूल नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसी की ड्राई स्किन है तो महीने में दो बार फेशियल करवाना स्किन को हाइड्रेशन पाने और चेहरे को प्लम्प लुक देने में मदद करेगा।

डॉक्टर ने ये भी कहा कि जिनकी ऐसी स्किन है, जिसके पोर्स जल्दी क्लॉग हो जाते हैं, या वाइटहेड्स एंड ब्लैकहेड्स आ जाते हैं, तो वो भी 15 दिन में एक बार क्लीनअप करवा सकते हैं।

हालांकि, सेंसेटिव स्किन वालों को सोच-समझकर फेशियल करवाने की सलाह दी, क्योंकि ऐसा त्वचा बहुत जल्दी इरिटेट हो जाती है, जो समस्याओं को जन्म दे सकती है।

कैसे काम करता है फेशियल?

फेशियल ऐसा स्किनकेयर ट्रीटमेंट है, जिसमें अलग-अलग प्रॉडक्ट्स और टेक्नीक्स के कॉम्बिनेशन के जरिए एक से डेढ़ घंटे के अंदर ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने की कोशिश की जाती है।

इसमें एक्सफॉलिएशन के जरिए डेड स्किन और इम्प्यूरिटी रिमूव की जाती है।

इसके साथ ही सूदिंग मास्क एंड क्रीम्स से त्वचा को हाइड्रेशन दिया जाता है।

साथ ही जिन हैंड मूवमेंट्स का यूज होता है, वो एजिंग साइन्स को कम करने से लेकर फेस शेप को और उभारने में मदद करते हैं।

कैसे किया जाता है फेशियल?

पहला स्टेप-चेहरे को क्लेन्जर से क्लीन किया जाता है।

दूसरा स्टेप- स्क्रब का इस्तेमाल कर स्किन एक्सफॉलिएट की जाती है।

तीसरा स्टेप- टैनिंग रिमूव करने के लिए मास्क लगाया जाता है। ये करीब 10 से 15 मिनट के लिए रखा जाता है।

चौथा स्टेप- फेशियल के लिए खासतौर पर तैयार क्रीम्स से मसाज की जाती है। इस दौरान मसाजिंग टेक्नीक्स का इस्तेमाल कर स्किन रिलैक्सेशन के साथ ही फेस कॉन्टूरिंग पर फोकस किया जाता है। इसे करीब 20 मिनट से लेकर आधे घंटे तक किया जाता है।

पांचवा स्टेप- चेहरे को साफ करने के बाद फेस पैक लगाया जाता है। ये करीब 15 से 20 मिनट तक लगा रहता है।

आखिरी स्टेप- आखिर में चेहरा एक बार फिर से साफ करने के बाद फेस क्रीम और सनस्क्रीन लगाई जाती है।

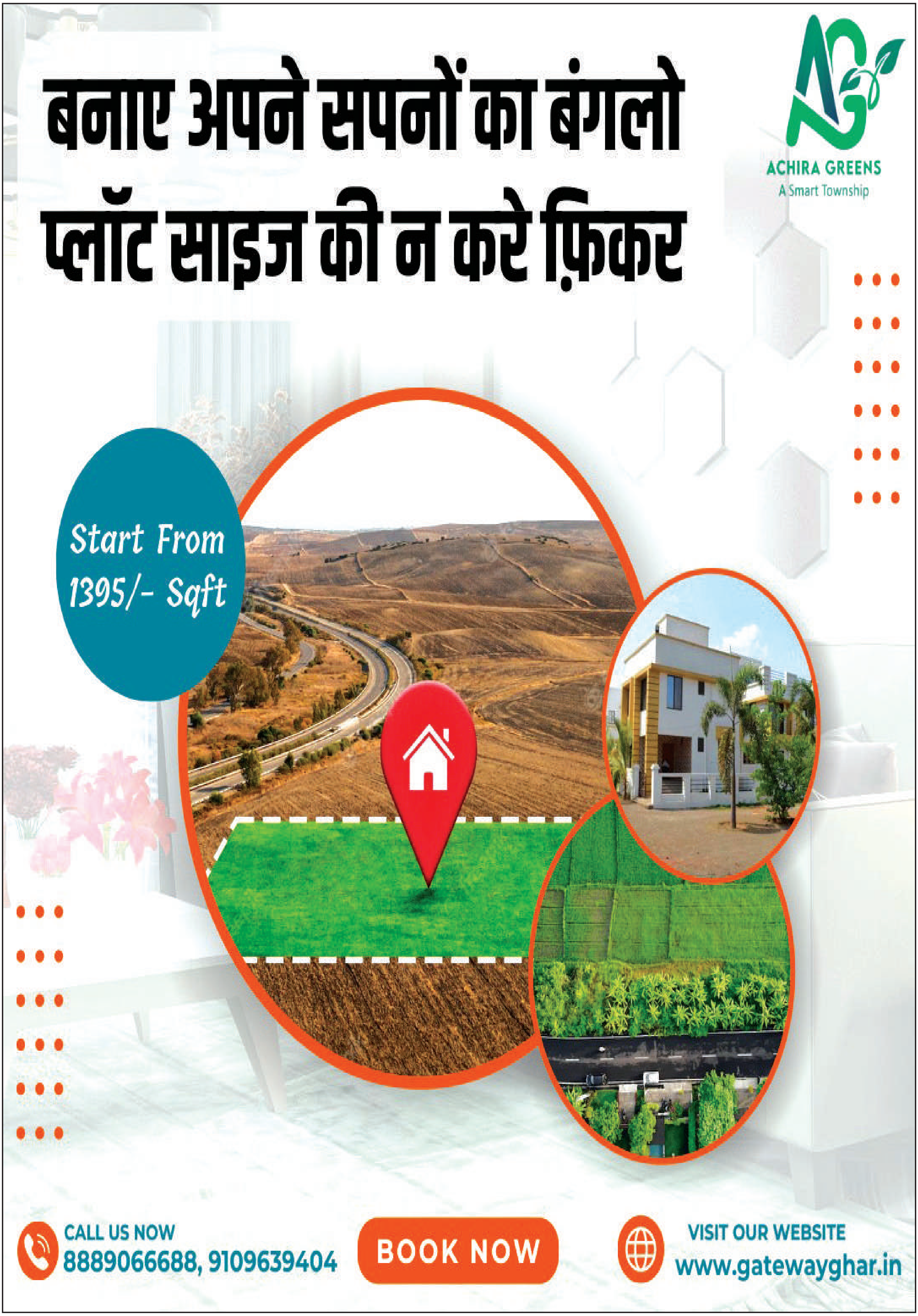
बनाए अपने सपनों का बंगलो
प्लॉट साइज की न करे फ़िकर
ACHIRA GREENS
A Smart Township
Start From
1395/- Sqft
CALL US NOW
8889066688, 9109639404
BOOK NOW
VISIT OUR WEBSITE
www.gatewayghar.in

9 मार्च से भारत-आस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट मैच अहमदाबाद में

अहमदाबाद में बन रही सामान्य पिच:GCAके अधिकारी बोले- मैनेजमेंट से निर्देश नहीं मिले- भारत का इस मैदान पर रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा और आखिरी टेस्ट मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच में पिच कैसी होगी, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (ङ्खञ्जष्ट) फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए अहमदाबाद टेस्ट जीतना बहुत जरूरी है।

अहमदाबाद टेस्ट जीतते ही भारत ङ्खञ्जष्ट के फाइनल में पहुंच जाएगा और उसे न्यूजीलैंड-श्रीलंका के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज के नतीजों का इंतजार नहीं करना होगा। पिछले 3 टेस्ट में क्चष्टष्ठ ने स्पिन फ्रेंडली पिचें बनवाई थीं, ऐसे में देखना होगा कि चौथे टेस्ट की पिच कैसी होगी।

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (त्रष्ट) के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम के मैनेजमेंट से पिच को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। पिच क्यूरेटर एक सामान्य पिच तैयार करने में लगे हैं। ऐसे में पिच बिलकुल वैसी होगी, जैसे पिछले दिनों रणजी ट्रॉफी मैचों के दौरान थी। आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि अहमदाबाद की पिच कैसी होगी और इस मैदान पर भारत का टेस्ट रिकॉर्ड कैसा रहा है।

तीसरे टेस्ट की पिच पर उठे थे सवाल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला गया तीसरा टेस्ट तीसरे दिन ही खत्म हो गया था। 15 सेशन का खेल 7 सेशन ही चल सका। मैच में 31 विकेट गिरे, जिनमें से 26 स्पिनर्स ने लिए। जिसके बाद क्रिकेट एक्सपर्ट्स और फैंस ने पिच पर सवाल उठाए। दूसरी ओर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ढ्ढष्ट) ने स्टेडियम की पिच को %पुअर% यानी खराब रेटिंग भी दी।

इसका मुख्य कारण था कि पिच पर स्पिनर्स को बहुत ज्यादा मदद मिली। यहां बैटर और बॉलर के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं हुआ। पहले दिन से बॉल दब रहा था, असमान उछाल भी देखने को मिला। वहीं, इस पर किसी भी तरह की स्विंग या सीम मूवमेंट भी देखने को नहीं मिली। इन्हीं कुछ कारणों के चलते इंदौर टेस्ट की पिच पर सवाल उठे।

अब बात करते हैं अहमदाबाद की...

टीम इंडिया अहमदाबाद में 6 मैच जीती

अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 2021 में बनकर तैयार हुआ। यहां टीम इंडिया ने अब तक 2 ही टेस्ट खेले। इस स्टेडियम से पहले अहमदाबाद के मोटेरा में सरदार पटेल स्टेडियम था। जिस तोड़कर नया स्टेडियम बनाया गया है। पुराने स्टेडियम में भारत ने 12 टेस्ट मैच खेले थे।

अहमदाबाद स्टेडियम में भारत ने पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ 1983 में खेला था। ओवरऑल टीम इंडिया ने अहमदाबाद में 14 मैच खेले। 6 जीते और 2 में टीम को हार मिली। इस शहर में 6 मैच ड्रॉ भी रहे। इस मैदान पर सबसे ज्यादा रन राहुल द्रविड़ के नाम है। उन्होंने यहां 7 मैच में 771 रन बनाए हैं। जबकि,अनिल कुंबले ने सबसे ज्यादा (36) विकेट लिए हैं।

2021 में आखिरी बार टेस्ट मैच खेला था

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 2021 में 4 टेस्ट मैच की सीरीज खेली थी। 4 में से 2 टेस्ट अहमदाबाद में खेले गए। उस पूरी सीरीज में भारत को स्पिन एडवांटेज मिला। अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने दोनों टेस्ट जीते। अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट 3 दिन में खत्म हो गया था। वहीं, दूसरा टेस्ट तो 2 ही दिन में खत्म हो गया। दोनों ही टेस्ट में स्पिनर्स का बोल बाला रहा, खास तौर पर अक्षर पटेल ने तो इंग्लिश बैटर्स की नाक में दम कर दिया था।

कैसी होगी अहमदाबाद की पिच?

क्क्षञ्जढ्ढ के अनुसार, पिच क्यूरेटर डोमेस्टिक सीजन में यूज हुई मैचों जैसी पिच ही भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के लिए भी बना सकते हैं। अहमदाबाद स्टेडियम में आखिरी मुकाबला 24 जनवरी 2023 रणजी ट्रॉफी का हुआ था। इसमें रेलवे और गुजरात की टीम आमने-सामने भिड़ी थीं।

रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान पिच बैटर्स के लिए ज्यादा कारगर साबित हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे ने पहली पारी में 508 रन बनाए थे। तब कुल 30 में से 12 विकेट पेसर्स को मिले थे। अगर रणजी मैच की तरह ही चौथे टेस्ट के लिए भी पिच मिली तो दोनों टीमों के पास इस बार खूब रन बनाने के मौके रहेंगे।

भोला का ट्रेलर रिलीज हुआ-भस्म लगाकर दुश्मनों का सामना करेंगे अजय देवगन, पुलिस के दमदार रोल में दिखीं तब्बू

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की मोस्ट एवेटेड फिल्म भोला का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे एक्टर ने आपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक शेयर किया है। इस फिल्म में अजय खतरनाक एक्शन करते नजर आए। भोला% के इस शानदार ट्रेलर में एक्टर भस्म लगाकर बुराई का सर्वनाश करते दिख रहे हैं। वहीं, तब्बू एक पुलिस ऑफिसर के रोल में दिखाई दीं। फिल्म की कहानी भोला एक बाप और बेटी की रिश्ते की शानदार कहानी है, जो अजय की इस फिल्म को खास बनाती है। कुल मिलाकर कहा जाए तो भोला का ट्रेलर एक्शन और रोमांच से भरपूर होने वाला है।

कब रिलीज होगी फिल्म

बता दें, इस फिल्म में अजय, तब्बू के अलावा अमला पॉल, संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल, गजराज राव और विनीत कुमार भी अहम् रोल में दिखाई देंगे। इस फिल्म को अजय देवगन ने ही डायरेक्ट किया है। भोला 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। भोला साउथ की सुपरहिट फिल्म कैथी (2019) का रीमेक है और साथ ही 100 करोड़ के बजट में बनी ये फिल्म 3डी में भी रिलीज होगी।

अमिताभ बच्चन शूटिंग के दौरान जख्मी

हैदराबाद में प्रोजेक्ट K की शूटिंग चल रही थी, पसलियों में चोट आई, बोले- सांस लेने में भी दिक्कत

अमिताभ बच्चन हैदराबाद में शूटिंग के दौरान घायल हो गए। उन्होंने सोमवार को अपने ब्लॉग पर इस बात की जानकारी दी। अमिताभ अभी मुंबई में अपने घर पर आराम कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन प्रभास की फिल्म प्रोजेक्ट ‘च की शूटिंग कर रहे थे। एक एक्शन सीन के दौरान उनकी पसलियों में चोट आई है। हैदराबाद में चेकअप के बाद अमिताभ को मुंबई भेजा गया।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, %रिब केज में मांसपेशी फट गई है। शूटिंग को रद्द कर दिया गया है। पट्टी बांधी गई है और इलाज किया जा रहा है। काफी ज्यादा दर्द हो रहा है। हिलने-डुलने में तकलीफ हो रही है। सांस लेने में भी दिक्कत आ रही है। इस दर्द के लिए मुझे कुछ दवाएं दी गई हैं। ठीक होने में अभी कुछ हफ्ते लगेंगे।%

अमिताभ ने लिखा- जलसा पर फैंस से नहीं मिल पाऊंगा

बिग बी ने लिखा, जब तक मैं ठीक नहीं हो जाता, तब तक के लिए सारा कामकाज बंद कर दिया गया है। मैं जलसा में आराम कर रहा हूं। जरूरी चीजों के लिए ही थोड़ा बहुत चलूंगा। हां, आराम तो चलता ही रहेगा। मेरे लिए यह कहना काफी मुश्किल है पर मैं जलसा के गेट पर अपने चाहने वालों से नहीं मिल पाऊंगा तो वो ना आएं। आप उन लोगों को भी यह बात बता दें, जो जलसा आने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा बाकी सब ठीक है।%

पुलिस सेवा आम नागरिकों के विश्वास की कसौटी- राज्यपाल श्री पटेल

पुलिस की संवेदनशील और व्यावसायिक पहचान बनाने में दें योगदान

राज्यपाल से मध्यप्रदेश कैडर के प्रशिक्षु आई.पी.एस. अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रशिक्षु आई.पी.एस. अधिकारियों से कहा है कि अपनी मेधा और ज्ञान के द्वारा ऐसे माहौल का निर्माण करें जिसमें नागरिक कानून लागू करने वालों से डरने के बजाय कानून से डरें और इसका सम्मान करें। किसी भी बेगुनाह को सजा नहीं मिले। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की संवेदनशील एवं व्यावसायिक पहचान बनाने में आई.पी.एस. अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आज भारतीय पुलिस सेवा के 74वें बैच के मध्यप्रदेश कैडर के प्रशिक्षु अधिकारियों को राजभवन में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि आई.पी.एस. अधिकारियों की ज़िम्मेदारी केवल कानून के शासन और हमारी लोकतांत्रिक राज-व्यवस्था की सामान्य अवधारणा को बनाए रखने के लिए कानून-व्यवस्था और ईमानदार आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों के विश्वास की कसौटी भी है। आमजन, आई.पी.एस. अधिकारियों को कानून-व्यवस्था के रखवाले और न्याय दिलाने में मदद करने वाले अधिकारी के रूप में देखते हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आई.पी.एस. अधिकारी होने के नाते, आपके कंधों पर भारी जिम्मेदारी रहेगी। यह ऐसी सेवा है जो हमारी राष्ट्रीय प्रशासनिक प्रणाली के स्तंभों में से एक है। उन्होंने कहा कि आई.पी.एस. अधिकारी को विशेष अधिकार और शक्तियाँ प्राप्त होती हैं, जो वास्तव में लोगों की सेवा का साधन बनती हैं। आई.पी.एस. अधिकारी का प्राथमिक कर्तव्य आम नागरिकों की सेवा करना और यह सुनिश्चित करना है कि गरीब से गरीब, वंचित और अंतिम कड़ी के व्यक्ति को भी न्याय मिले। श्री पटेल ने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, अधिकारी व्यवस्था में निरंतरता और संविधान के प्रतिनिधि हैं। सभी से कानून की गरिमा की रक्षा की अपेक्षा भी है। उन्होंने कहा कि आई.पी.एस. वह दुर्लभ नौकरी है, जिसमें केवल कुछ व्यक्तियों के लिए नहीं बल्कि हजारों लोगों के जीवन में अंतर लाने का अवसर मिलता है। इसका सदुपयोग राष्ट्र और समाज निर्माण के रूप में करना चाहिए। पुलिस बलों के अधिकारी के रूप में, बिना किसी भय, पक्षपात और विलंब के कर्तव्य-पालन का स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत कर, राष्ट्र-समाज के निर्माण में प्रभावी योगदान दे सकते हैं।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु आई.पी.एस. अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। बताया गया कि 74वें बैच के

मध्यप्रदेश कैडर के भारतीय पुलिस सेवा के 09 अधिकारियों में से 4 मध्यप्रदेश, 2 उत्तर प्रदेश और ।-। अधिकारी कर्नाटक, राजस्थान तथा दिल्ली के निवासी है। सभी अधिकारी राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त है। वर्तमान में ये 29 सप्ताह के लिए अपने कैडर राज्य मध्यप्रदेश में विभिन्न स्थानों और संस्थानों में व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इन्हें 04 सप्ताह का प्रशिक्षण मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में दिया जायेगा। शेष प्रशिक्षण पदस्थापना जिलों में प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण में से अधिकारी मध्यप्रदेश की प्रशासनिक प्रक्रियाओं, स्थानीय विधान, भौगोलिक परिदृश्य तथा संस्कृति से परिचित होंगे।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण श्रीमती अनुराधा शंकर और राज्यपाल के उप सचिव श्री स्वरोचिष सोमवंशी मौजूद थे। संचालन पुलिस अकादमी के उप निदेशक प्रशिक्षण श्री मलय जैन ने किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश की नारी शक्ति के प्रयासों को सराहा - मुख्यमंत्री श्री चौहान

बुरहानपुर के खड़की गाँव की महिलाओं की पहल की प्रधानमंत्री द्वारा प्रशंसा

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित महिला जल योद्धाओं का किया जिक्र

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि समाज और सरकार के समन्वित प्रयासों से ही प्रदेश का विकास तीव्र गति से संभव है। इस दिशा में मध्यप्रदेश में समाज की सहभागिता और पहल विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल रही है, जिसे क्षेत्रिय, प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर पर सराहा भी जा रहा है। इस क्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बुरहानपुर जिले के खड़की गाँव के स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हर घर में नल से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा है कि बुरहानपुर में नारी शक्ति का यह प्रयास देश के लिए एक मिसाल है। उल्लेखनीय है कि बुरहानपुर की खड़की गाँव की श्रीमती मंजू ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं के साथ मिल कर हर घर नल के कनेक्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पौध-रोपण के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की जल योद्धाओं अनिता चौधरी, गंगा राजपूत और सरपंच नीतू परिहार को जल संरक्षण में विशिष्ट योगदान के लिए स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया है। छिंदवाड़ा जिले की जल सखी अनिता चौधरी को जल जीवन मिशन में पाइप जलापूर्ति के ऑपरेशन्स तथा मेटेनेंस श्रेणी में पुरस्कृत किया गया है। उनके प्रयासों से जिले का ग्राम गढ़मऊ हर घर जल ग्राम घोषित हुआ है। छतरपुर जिले की जल योद्धा गंगा राजपूत को राष्ट्रीय जल मिशन में पुरस्कृत किया गया है। अपने अथक प्रयासों से उन्होंने ग्राम भौयरा की महिलाओं को जागरूक बना कर लोक भ्रांतियों को दूर करते हुए चंदेलकालीन तालाब को जीवित करने में विशेष योगदान दिया। इसी क्रम में ग्वालियर जिले की सरपंच नीतू परिहार को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में पुरस्कृत किया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत पुराबनवार को ओडीएफ प्लस आदर्श ग्राम बनाने में असाधारण योगदान दिया है।

सर्वहारा के उत्थान, जन-आकांक्षाओं की पूर्ति एवं सर्वांगीण विकास को समर्पित बजट- राज्य मंत्री श्री यादव

जल जीवन मिशन के लिए 7 हज़ार 331 करोड़ रूपये का प्रावधान

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव ने मध्यप्रदेश बजट 2023-24 को सर्वहारा वर्ग के उत्थान और जन-आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला बजट बताया है। श्री यादव ने कहा कि यह बजट प्रदेश में समृद्धि, खुशहाली एवं विकास के नये आयाम स्थापित करेगा। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, अत्याधुनिक तकनीकी, कौशल विकास, उद्यमिता को बढ़ावा देकर नागरिकों के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक सभी पहलुओं में कार्य से सर्वांगीण विकास को लक्षित किया गया है। बजट ने महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीब, आम जनता सभी वर्गों के विश्वास को मज़बूत किया है।

राज्य मंत्री श्री यादव ने जल जीवन मिशन के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 7 हज़ार 331 करोड़ रूपये के प्रावधान के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त किया है। बजट में पेयजल योजनाओं के जल निगम द्वारा क्रियान्वयन के लिए 703 करोड़ एवं ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के लिए 400 करोड़ रूपये का प्रावधान है। श्री यादव ने कहा कि मिशन में अब तक 56 लाख 70 हज़ार से अधिक ग्रामीण घरों में नल से जल पहुँचाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बजट में अब तक की सर्वाधिक राशि प्रावधानित की गयी है, जिससे हर-घर नल से जल पहुँचाने को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

राज्य मंत्री श्री यादव ने कहा कि यह बजट **आशा** जगाता है, **विश्वास** दिलाता है। बजट में युवाओं को रोजगार, महिलाओं की आर्थिक आत्म-निर्भरता, सिंचाई सुविधा, आधुनिक तकनीक से कृषि उत्पादन बढ़ाने, पशुपालन एवं मत्स्य-पालकों के व्यवसाय की प्रगति के समुचित प्रावधान हैं। राज्य मंत्री ने कहा कि बजट में आवासहीन को सुविधायुक्त आसरा, शहरी नागरिकों को उत्कृष्ट अधो-संरचना एवं प्रदूषण रहित जीवन यापन, ग्रामीण नागरिकों को ग्राम में ही नवीनतम तकनीकों की जानकारी देने और विद्यार्थियों को श्रेष्ठ स्तर की शिक्षा देने के लिए पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। कौशल-विकास, जन-स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, घर-घर पेयजल की सुविधा, निर्बाध विद्युत-आपूर्ति, प्रदेश के किसी नागरिक को भूखा न रहने देने, व्यवसायियों एवं उद्यमियों को सहज एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराने के प्रावधान बजट में शामिल हैं। यह बजट मध्यप्रदेश को सशक्त, कुशल एवं आत्म-निर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

विकास यात्रा में गाँव-गाँव खुल रहे विकास के द्वार-राज्य मंत्री श्री यादव

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेशव्यापी विकास यात्रा के दौरान गाँव-गाँव विकास के द्वार खुल रहे है। साथ ही ग्रामों में विकास के लिए अनेकों सौगातें प्रदान की जा रही है। राज्य मंत्री श्री यादव विधानसभा क्षेत्र मुंगावली के विभिन्न ग्रामों में विकास यात्रा में शामिल होकर स्थानीय निवासियों को शासन की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर रहे थे। राज्य मंत्री जल कलश यात्रा में शामिल हुए एवं पौध-रोपण भी किया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को जल-संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई। साथ ही जल-संरक्षण प्रतियोगिता के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं निराकरण के निर्देश दिए। राज्य मंत्री श्री यादव ने ग्राम अरोंन में 43 लाख 80 हज़ार रूपये की लागत से नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास एवं ई-पंचायत कक्ष का शुभारंभ किया।

29 मार्च तक अलग-अलग क्षेत्रों से निकलेगी; राम नवमी पर पालकी यात्रा

हर साल की तरह इस साल भी साईं प्रभात फेरियां निकाली जाएगी। इसके तहत पहली प्रभात फेरी 7 मार्च से निकलेगी। इसके बाद अलग-अलग क्षेत्रों से सौ से ज्यादा प्रभात फेरियां निकाली जाएगी। आखिरी प्रभारी फेरी 29 मार्च को निकाली जाएगी। 30 मार्च को रामनवमी पर भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी।

केन्द्रीय साई सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक ने बताया कि इस वर्ष भी विभिन्न कॉलोनियों में प्रभातफेरियों का आयोजन किया जाएगा तथा इस बार की साईं पालकी यात्रा और अधिक भव्य तथा ऐतिहासिक होगी। रविवार को लेकर इसे लेकर अभिनव कला मंच, गांधी हॉल में बैठक हुई। बैठक में दादू महाराज, अमृतफले महाराज, पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यनारायण पटेल आदि उपस्थित थे।

बैठक में 29 की प्रभातफेरियों के प्रभारी चुने गए तथा तय हुआ कि रामनवमी पर निकलने वाली पालकी यात्रा में सभी प्रभारी अपने सहयोगियों के साथ विशिष्ट आकर्षण के साथ उपस्थित होंगे। इस दौरान जगह-जगह मंचों से सांई पालकी यात्रा में पुष्प वर्षा की जाएगी। इस अवसर पर जगमोहन वर्मा, किशोर दौरकर, आलोक खादीवाला, प्रदीप यादव आदि साई सेवकों ने प्रभातफेरियों को भव्य बनाने की जवाबदेही तय की।

7 मार्च को सुबह 5 बजे रामद्वारा मंदिर, पारसी मोहल्ला से पहली सांई प्रभात फेरी निकाली जाएगी। सांई भक्तों से अपील की गई है कि वे अपने निवास स्थान से प्रभात फेरी में सामिल होकर सतगुरु सांईनाथ महाराज की पूजा-अर्चना व पुष्प वर्षा कर धर्म लाभ लें।

इसके साथ ही अपने घर आंगन में प्रभात फेरी के स्वागत के लिए दीये जलाएं और रंगोली बनाकर अभिनंदन करें। गुरुवार 30 मार्च को शाम 4 बजे से बड़ा गणपति से छत्रीबाग सांई मंदिर तक भव्य सांई पालकी यात्रा निकाली जाएगी।

सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में अप्रैल से शुरू होगी बायपास व हार्ट सर्जरी; अन्य ऑपरेशन किए जाएंगे

एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी के बाद सरकारी अस्पताल में अप्रैल से ओपन हार्ट सर्जरी भी शुरू होगी। हार्ट के अन्य ऑपरेशन किए जाएंगे। इसके लिए हार्ट लंग्स मशीन व अन्य उपकरण खरीदे जा चुके। एक अन्य मशीनें भी होली के बाद आ जाएगी। शहर के किसी सरकारी अस्पताल ने खुद को सुपर स्पेशिएलिटी सेवाओं के लिए अपग्रेड नहीं किया है। सुपर स्पेशिएलिटी में हार्ट सर्जरी होने लगी। यहां एक साल पहले कैथलैब स्थापित हो चुकी है।

अस्पताल प्रभारी डॉ. सुमित शुक्ला ने बताया अभी सिर्फ एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी की जा रही थी। अब ओपन हार्ट सर्जरी, बायपास सहित अन्य सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। यहां चार कार्डियक थोरोसिक सर्जन हैं। हार्ट लंग्स मशीन मिल चुकी है। एक और मशीन आएगी जिसके लिए शासन से मंजूरी मिल चुकी है। संभवत: होली बाद काम शुरू हो जाएगा। कार्डियोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. एडी भटनागर ने बताया एक साल में 1500 एंजियोप्लास्टी व एंजियोग्राफी कर चुके हैं। पांच वॉल्व के ऑपरेशन किए व 50 पेसमेकर लगा चुके। ज्यादातर मरीज आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही हैं। गैर कार्डधारी मरीजों का भी रियायती दर पर इलाज करते हैं। हमारी कोशिश है बायपास व ओपन हार्ट सर्जरी इसी महीने शुरू कर दी जाए।

सीजीएचएस दरों पर इलाज का प्रस्ताव भेजा

यहां आयुष्मान मरीजों का निःशुल्क इलाज होता है। वहीं अन्य मरीजों से रियायती शुल्क लेने को लेकर गफलत है। कॉलेज प्रशासन ने अभी शुल्क का निर्धारण नहीं किया है। हालांकि बाजार दर से कम शुल्क लिया जा रहा है। कार्डियोलॉजी सहित अन्य प्रोसीजर्स के लिए सीजीएचएस (सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) दर लिए जाने का प्रस्ताव अस्पताल प्रशासन ने शासन को भेजा है।

रालामंडल में मप्र का पहला डायनासोर पार्क, नए स्वरूप में आएगा नजर

रालामंडल अभयारण्य में इंदौर के समीप धार जिले में कभी समुद्र होने, डायनासोर पाए जाने के प्रमाण नए अवतार में नजर आएंगे। मध्यप्रदेश का पहला फॉसिल पार्क जल्दी ही शुरू किया जाएगा। वन विभाग ने जीवाश्मों का संग्रह काफी पहले से कर रखा था। फॉसिल पार्क के नाम से इसे शुरू भी किया था, लेकिन इसकी जगह ऐसी नहीं थी कि हर पर्यटक इसे आसानी से देख सके।

इसके लिए अब नई जगह बनाई गई है, यहां पर हर जीवाश्म की डिटेल रिपोर्ट बनाकर भी लगाई जाएगी, ताकि लोगों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी मिल सके। धार में समुद्र होने और उसके समाप्त हो जाने का इतिहास भी यहां बताया जाएगा। एसडीओ योहान कटारा के मुताबिक फॉसिल पार्क में डायनासोर के अंडे, उनके पंजों के निशान, हड्डी, दांत इत्यादि रखे जाएंगे। धार जिले में करीब पांच हजार साल पहले समुद्र होने के प्रमाण भी यहां रखे गए हैं। नए अवतार वाले फॉसिल पार्क को आम जनता के लिए जल्द ही खोल दिया जाएगा। इसका अभी ट्रायल किया जाना है। पार्क और अधिक समृद्ध बनाने के लिए भी सामग्री जुटाई जा रही है।

अब समृद्ध हो गया अभयारण्य

एक दशक पहले तक रालामंडल में ज्यादा संसाधन नहीं थे। केवल पहाड़ी पर ट्रैकिंग करने के सिवा कुछ नहीं था। अब यहां डियर सफारी, नाइट सफारी, शिकार गाह पर म्यूजियम, पैदल ट्रैकिंग के बाद फॉजिल पार्क शुरू हो जाएगा। इस तरह रालामंडल में एक बार आने पर चार-पांच घंटे तक रुका जा सकता है।

तितली पार्क का काम शुरू, 25 तरह के पौधे लगेंगे

रेंजर योगेश यादव के मुताबिक बटर फ्लाई पार्क के लिए भी कई पार्क का सर्वे कर लिया गया है। फूलों की तकरीबन 25 प्रजाति के पौधे आगामी मई, जून में लगाए जाएंगे। यह समय पौधे लगाने के लिए अनुकूल रहता है। रालामंडल में वैसे तो कई प्रजाति की तितलियां दिख जाती हैं, लेकिन पार्क की शक्ल में नहीं हैं। रालामंडल के प्रवेश द्वारा के समीप यह पार्क बनाया जाएगा। पर्यटकों के प्रवेश करते ही तितलियां उड़ती नजर आएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)